साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली -110 001
दूरभाष : +91-11-2338 6623
फैक्स : +91-11-2338 2428
ई-मेल : vptiwari378@hotmail.com

विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
अध्यक्ष

Vishwanath Prasad Tiwari
President

Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi 110 001
Phone : +91-11-2338 6623
Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : vptiwari378@hotmail.com
Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in

16 सितंबर 2016

# प्रभाकर श्रोत्रिय के निधन पर शोक संदेश

प्रभाकर श्रोत्रिय हिंदी के गंभीर आलोचक, नाटककार और संपादक थे। उन्होंने साहित्यिक गुटबंदियों और वैचारिक संकीर्णताओं से मुक्त होकर साहित्य और साहित्यकारों का तटस्थ एवं संतुलित मूल्यांकन किया। उन्होंने *साक्षात्कार, अक्षरा, वागर्थ, नया ज्ञानोदय* और साहित्य अकादेमी की पत्रिका *समकालीन भारतीय साहित्य* जैसी महत्त्वपूर्ण पत्रिकाओं का संपादन करते हुए साहित्यिक पत्रकारिता का आदर्श प्रस्तुत किया। उनका नाटक *इला* बहुत चर्चित रहा। उनके निधन पर मैं अपना शोक तथा उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूँ।

(विश्वनाथ प्रसाद तिवारी)

Residence : Dastavez, Betiahata, Gorakhpur-273001, Uttar Pradesh Tel. : 0551-2335967

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(नेशनल अकादमी ऑफ़ लेटर्स)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

16 सितंबर 2016

प्रेस विज्ञप्ति

## प्रभाकर श्रोत्रिय के निधन पर शोक संदेश

15 सितंबर 2016 की रात में दिल्ली स्थित सर गंगाराम अस्पताल में हिंदी के प्रतिष्ठित नाट्यकार, निबंधकार, आलोचक और संपादक डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय का निधन हो गया।

साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष विश्वनाथ प्रसाद तिवारी ने उनके निधन पर शोक प्रकट करते हुए कहा कि प्रभाकर श्रोत्रिय ने साहित्यिक गुटबंदियों और वैचारिक संकीर्णताओं से मुक्त होकर साहित्य और साहित्यकारों का तटस्थ एवं संतुलित मूल्यांकन किया। उन्होंने *साक्षात्कार, अक्षरा, वागर्थ, नया ज्ञानोदय, पूर्वग्रह* और साहित्य अकादेमी की पत्रिका *समकालीन भारतीय साहित्य* जैसी महत्त्वपूर्ण पत्रिकाओं का संपादन करते हुए साहित्यिक पत्रकारिता का आदर्श प्रस्तुत किया।

19 दिसंबर 1938 को मध्यप्रदेश के जावरा में जन्मे डॉ. श्रोत्रिय की मौलिक एवं संपादित पुस्तकों की संख्या पचास से भी ज्यादा है। उनकी आलोचना पुस्तकें परंपरा से अत्याधुनिक कविता तक की आलोचनात्मक यात्रा का महत्त्वपूर्ण साक्ष्य हैं। उनके निबंध आज के नव्यतम सोच के सभी पक्षों का प्रामाणिक विवेचन करते हैं। उनके नाटकों में *इला* को सर्वाधिक प्रसिद्धि मिली। *कविता की तीसरी आँख, रचना एक यातना है, मेघदूत : एक अंतर्यात्रा, समय समाज साहित्य, कालयात्री है कविता* उनकी उल्लेखनीय कृतियाँ हैं।

उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, मध्य प्रदेश साहित्य परिषद्, बिहार सरकार आदि के पुरस्कारों से सम्मानित डॉ. श्रोत्रिय भारतीय ज्ञानपीठ, भारतीय भाषा परिषद्, भारत भवन, मध्य प्रदेश साहित्य परिषद् जैसी प्रमुख संस्थाओं से कार्यकारी दायित्वों के साथ संबद्ध रहे। विभिन्न शैक्षिक पाठ्यक्रमों में उनकी रचनाएँ शामिल हैं तथा अनेक भारतीय भाषाओं में उनकी पुस्तकों के अनुवाद भी प्रकाशित हुए हैं।

डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय साहित्य अकादेमी से घनिष्ठ रूप से जुड़े थे तथा उन्होंने अकादेमी की द्वैमासिक हिंदी पत्रिका *समकालीन भारतीय साहित्य* का वर्षों संपादन भी किया था। उनका निधन हिंदी साहित्य संसार के लिए एक अपूरणीय क्षति है। साहित्य अकादेमी उनके निधन पर अपनी गहरी शोक संवेदना प्रकट करती है।

(के. श्रीनिवासराव)

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in